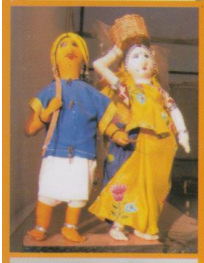

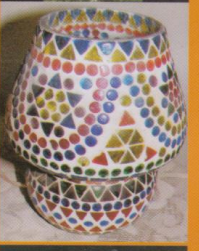

देशज कला

(भारतीय लोक, जनजातीय, पारम्परिक एवं हस्तशिल्प कलाओं पर आधारित)

डॉ. हृदय गुप्त

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(माध्यमिक शिक्षा और उच्चतर शिक्षा विभाग)
भारत सरकार

॥ राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी ॥

अनुक्रम

1. **लोक चित्रांकन** 1-14
(Festival, Customary and Ritual Arts)

ऐपण (उत्तराखण्ड); अल्पना (पश्चिम बंगाल); अरिपन (बिहार); चौक पूरना (उत्तर प्रदेश); फूल-कोलम (केरल); अंगालेखन/गोदना (सम्पूर्ण भारत); झोटी चित्रकला (उड़ीसा); कालम/कालमेझुथु (केरल); कालम धूलि-चित्र (तमिलनाडु); महावर लोक-अभिकल्पन (सम्पूर्ण भारत); माँडणा (राजस्थान); माँडना (हिमाचल प्रदेश); माँडना (मध्य प्रदेश); मुग्गू (आन्ध्र प्रदेश); मेहँदी कला (सम्पूर्ण भारत); रंगोली (महाराष्ट्र); साँझी कला (उत्तर प्रदेश); बठिया/उपला कला (उत्तर प्रदेश); भित्ति-आकल्पन (गुजरात)।

2. **मृण्मय कला** 15-40
(Clayey Art)

मिट्टी के खिलौने एवं मूर्तियाँ (उत्तर प्रदेश); मृदामूर्ति (पश्चिम बंगाल); मृदामूर्ति (महाराष्ट्र); गोरखपुर मृण्मूर्ति (उत्तर प्रदेश); कृष्णानगर के खिलौने (पं. बंगाल); मोलेला मृण्मूर्ति फलक (राजस्थान); रंगीन मृण्मूर्ति एवं पात्र (हरियाणा); सरगुजा खिलौने एवं जाली (छत्तीसगढ़); बांकुरा मृण्मूर्ति (पश्चिम बंगाल); आजमगढ़ मृण्पात्र (उत्तर प्रदेश); भावनगर, मृण्मय शिल्प (गुजरात); मृण्मूर्ति मिथिला (बिहार); भुज-कच्छ मृण्पात्र (गुजरात); मृण्मय छप्पर-खपरा (उड़ीसा एवं छत्तीसगढ़); कलकत्ता मृण्मूर्ति (पश्चिम बंगाल); मृण्मूर्ति (तमिलनाडु); मृण्मूर्ति एवं पात्र (राजस्थान); मृण्पात्र (कर्नाटक); दौसा मृण्पात्र (राजस्थान); जैसलमेर मृण्पात्र (राजस्थान); मृण्पात्र (मणिपुर); मृण्मूर्ति एवं पात्र (जम्मू एवं कश्मीर); पोखरन मृण्पात्र (राजस्थान); मृण्पात्र (उत्तर प्रदेश); जनजातीय मृण्मूर्ति (गुजरात); आदिवासी मृण्मूर्ति (मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़); नीले मृत्तिका पात्र (राजस्थान); मृत्तिका हस्तशिल्प (मध्य प्रदेश); डलगेट मृत्तिका पात्र (जम्मू एवं कश्मीर); खुर्जा मृत्तिका पात्र (उत्तर प्रदेश)।

3. **लोक, जनजातीय एवं परम्परागत चित्रण शैलियाँ** 41-92
(Folk, Tribal and Traditional Painting Styles)

(अ) लोक चित्रण : चेरियाल पट्टम चित्रण (आन्ध्र प्रदेश); चितेर कला (छत्तीसगढ़); चितेरी लोकचित्र शैली (उत्तर प्रदेश); चित्रावण चित्र (मध्य प्रदेश); गोदना चित्रण (बिहार); हाड़ौती लोकचित्र (राजस्थान); कालीघाट चित्र (पश्चिमी बंगाल); कोहबर भित्ति चित्रण (बिहार एवं उत्तर प्रदेश); कुमाऊँनी चित्र (उत्तराखण्ड); निमाड़ी लोकचित्र (मध्य प्रदेश); मधुबनी चित्र (बिहार); मन्जूषा शैली (बिहार); नागालैण्ड चित्र (नागालैण्ड); ताड़-पत्र चित्र (उड़ीसा); पट चित्र (उड़ीसा);

फड़/पड़ चित्रण (राजस्थान); पिछवाई चित्र (राजस्थान); सलाटी शैली (गुजरात); शेखावटी लोकचित्र (राजस्थान)।

(ब) जनजातीय चित्रण : गोण्ड चित्रण (मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़); जादो पट चित्रण (झारखण्ड); पट चित्र (पश्चिम बंगाल); पट चित्र (बिहार); पथकार चित्रण (झारखण्ड); पिंगुली चित्रकथी (महाराष्ट्र); पिथौरा चित्र (गुजरात एवं मध्य प्रदेश); रजवार चित्रण (छत्तीसगढ़); सहरिया जनजाति चित्रण (मध्य प्रदेश); सन्थाल जादूपटा (झारखण्ड, उड़ीसा एवं पश्चिम बंगाल); सन्थाली चित्रण (झारखण्ड); सौरा आदिवासी चित्र (उड़ीसा); सारथ कला (गुजरात); सत्रिय शैली (असम); सोहराई कला (झारखण्ड); विन्ध्य चित्रण (उत्तर प्रदेश); वर्ली चित्र (महाराष्ट्र)।

(स) परम्परागत चित्रण : (i) दक्खिन चित्रण शैली—अहमदनगर शैली; बीजापुर चित्रशैली; गोलकुण्डा चित्रशैली; हागुरगुंडगी चित्र; केरल भित्ति चित्रण; निर्मल चित्र। **(ii) मध्य देशज चित्रशैली**—मालवा लघु चित्र; बुन्देली चित्रशैली; **(iii) राजस्थानी चित्र शैली**—अलवर चित्रशैली; आमेर चित्रशैली; बीकानेर चित्रशैली; बूँदी चित्रशैली; देवगढ़ चित्रशैली; जयपुर चित्रशैली; जोधपुर (मारवाड़) चित्रशैली; किशनगढ़ चित्रशैली; कोटा चित्रशैली; मेवाड़ चित्रशैली; नागौर चित्रशैली। **(iv)** मुग़ल चित्रण शैली—अवध चित्रशैली (उत्तर प्रदेश); मुस्लिम सुलेखन कला। **(v) पहाड़ी चित्रण शैली**—बसोहली चित्रशैली; चम्बा चित्रशैली; गढ़वाल चित्रशैली; गुलेर चित्रशैली; जम्मू एवं कश्मीर चित्रशैली; कांगड़ा चित्रशैली; कुल्लू चित्रशैली; मण्डी चित्रशैली; सिख चित्रण।

(द) अन्य पारम्परिक चित्रण : गंजिफा चित्रण/कार्ड (कर्नाटक); रत्न-मणि चूर्ण चित्रण (राजस्थान); स्वर्ण चित्र (उत्तर प्रदेश); कलमकारी (आन्ध्र प्रदेश); कलमकारी (गुजरात); चर्म-चित्र (आन्ध्र प्रदेश); मणिपुरी पेन्टिंग (मणिपुर); संगमरमर चित्र (राजस्थान); लघु चित्र (राजस्थान, पहाड़ी अंचल); पटना कलम/कम्पनी शैली; मंत्र, यंत्र-तंत्र चित्रण (सम्पूर्ण भारत); तंजावुर चित्र (तमिलनाडु); तंजावुर (तंजौर); काँच चित्र (तमिलनाडु); थानका चित्र (सिक्किम); टिकुली कला (बिहार); वृन्दावन चित्रशैली (उत्तर प्रदेश)।

4. काष्ठ कला **93-112**
(Wooden Art)

बाँकुड़ा काष्ठ शिल्प (पश्चिम बंगाल); जड़ाऊ काष्ठ शिल्प (पंजाब, गुजरात, राजस्थान); जड़ाऊ काष्ठ शिल्प (उत्तर प्रदेश); कास्थो खुदाई शिल्प (पं. बंगाल); कावड़ कला (राजस्थान); चित्रण युक्त साज-सामान (राजस्थान); रंगांकन काष्ठ साजो-सामान (गुजरात); चंदन काष्ठ शिल्प (राजस्थान); चन्दन हस्तशिल्प (कर्नाटक); शोलापिथ हस्तशिल्प (पश्चिम बंगाल); आदिवासी काष्ठ आयुध (छत्तीसगढ़); जनजातीय काष्ठ मुखौटे (मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़); अखरोट काष्ठ शिल्प (जम्मू एवं कश्मीर); काष्ठ ठप्पे (उत्तर प्रदेश); काष्ठ उत्कीर्ण द्वार-पट्टिकाएँ (आन्ध्र प्रदेश); काष्ठ उत्कीर्णन कला (गुजरात); काष्ठ शिल्प (उत्तराखण्ड); काष्ठ पच्ची चित्र (कर्नाटक); काष्ठ मुखौटा (सिक्किम); काष्ठ प्रतिमाएँ (दक्षिण भारत); लकड़ी के गोकाक खिलौने (कर्नाटक); काष्ठ हस्तशिल्प (मध्य प्रदेश); काष्ठ हस्तशिल्प एवं काष्ठ उत्कीर्णन (उत्तर प्रदेश); लकड़ी के खिलौने (महाराष्ट्र); लकड़ी के खिलौने (दक्षिण भारत); लकड़ी के खिलौने, वाराणसी (उत्तर प्रदेश); लकड़ी के खिलौने चित्रकूट (उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश); काष्ठ खिलौने एवं शिल्प (राजस्थान); लकड़ी के खिलौने एवं शिल्प (उड़ीसा)।

5. **धातु कला** 113-130
(Metal Art)

घण्टी-धातु शिल्प; बेल-मेटल (मध्य प्रदेश); बिदरी कला (कर्नाटक); पीतल हस्तशिल्प एवं पात्र (उत्तर प्रदेश); पीतल धातु के हस्तशिल्प (मध्य प्रदेश); पीतल नक्काशी (राजस्थान); ताम्र पात्र (उत्तराखण्ड); ढोकरा शिल्प (छत्तीसगढ़); मीनाकारी (उत्तर प्रदेश/दिल्ली/राजस्थान); मलार शिल्प (छत्तीसगढ़); धातु प्रतिमाएँ (दक्षिण भारत); धातु गागर (गुजरात); धातु प्रतिमा (उत्तर प्रदेश); धातु कला (जम्मू एवं कश्मीर); रंगांकन युक्त चाबी खूँटी (उत्तर प्रदेश); लौह-छड़ भित्ति-चित्र शिल्प (महाराष्ट्र); चाँदी तार की कला/तारकशी कला (आन्ध्र प्रदेश एवं तेलंगाना); चाँदी तार की कला/तारकशी कला (उड़ीसा); चाँदी के मछली शिल्प (उत्तर प्रदेश); थेवा कला (राजस्थान); पिटवाँ लौह शिल्प (छत्तीसगढ़)।

6. **पत्थर शिल्प** 131-144
(Stone Craft)

काले पत्थर के मूर्ति शिल्प (बिहार); संगमरमर एवं कणाश्म शिल्प (उत्तर प्रदेश); संगमरमर शिल्प (राजस्थान); लाल-बलुआ पत्थर शिल्प (राजस्थान); बलुआ पत्थर शिल्प (उत्तर प्रदेश); श्वेत पत्थर/शैलखटी/बालुकाश्म (बलुआ पत्थर)/कणाश्म मूर्ति शिल्प (उड़ीसा); मृदु पत्थर मूर्ति शिल्प (उ.प्र., म.प्र., बिहार, उड़ीसा एवं दक्षिण भारत); सोमपुरा मूर्तिशिल्प (गुजरात); प्रस्तर शिल्प (दक्षिण भारत)।

7. **वस्त्र-अभिकल्पन कला (वस्त्र कला)** 145-192
(Textile Designing)

वस्त्र एवं साड़ी बुनाई : असमी रेशमी साड़ी (असम); बालूचरी साड़ी (पश्चिम बंगाल); बनारसी साड़ी (उत्तर प्रदेश); चंदेरी साड़ी (मध्य प्रदेश); चन्द्रपुरी साड़ी (छत्तीसगढ़); जामदानी साड़ी (बंगाल क्षेत्र); कांजीवरम साड़ी (तमिलनाडु); कोटा साड़ी (राजस्थान); महेश्वरी साड़ी (मध्य प्रदेश); पैठणी साड़ी (महाराष्ट्र); पटोला साड़ी (गुजरात); पोचमपल्ली साड़ी (तेलंगाना/आन्ध्र प्रदेश); सम्बलपुरी साड़ी (उड़ीसा); वारासिवनी साड़ी (मध्य प्रदेश); इल्कल साड़ी (कर्नाटक); करलकुडा साड़ी; कोरनाड साड़ी (आन्ध्र प्रदेश); कोसावन पेट (पट्टू) साड़ी (तमिलनाडु); वेल्डरी साड़ी (आन्ध्र प्रदेश)।

रंगाई और छपाई : अजरख/अजरक छपाई (राजस्थान); बाघ छपाई (मध्य प्रदेश); बगरू वस्त्र छपाई (राजस्थान); बंधेज/बाँधनी (राजस्थान एवं गुजरात); बाटिक चित्रण कला (मध्य प्रदेश एवं पश्चिम बंगाल); दाबू छपाई (राजस्थान एवं मध्य प्रदेश); जाजम/आजम छपाई (राजस्थान); सांगानेरी छपाई (राजस्थान)।

कढ़ाई : गोटापट्टी (अधिरोपण) एवं पैबंद कार्य (उड़ीसा); बन्जारा कढ़ाई (आन्ध्र प्रदेश, राजस्थान एवं मध्य प्रदेश); चंबा रुमाल (हिमांचल प्रदेश); चिकनकारी/चिकन की कढ़ाई (उत्तर प्रदेश); गोटा-पट्टी (राजस्थान); कच्छी कढ़ाई कार्य (गुजरात); कांथा कढ़ाई (पश्चिम बंगाल); कसीदा कढ़ाई (जम्मू एवं कश्मीर); कसूती कढ़ाई (कर्नाटक); किन्नौरी शॉल (हिमाचल प्रदेश); कुल्लू

शॉल (हिमाचल प्रदेश); मणिपुरी कढ़ाई (मणिपुर); दर्पण/शीशा, पैबन्धकारी एवं कढ़ाई कार्य (राजस्थान); नागा शॉल (नागालैंड); फुलकारी (पंजाब); सिंधी कसीदा/कशीदा हरमुचो (राजस्थान, गुजरात एवं पंजाब); सुजनी कढ़ाई (बिहार); टोडा कढ़ाई (तमिलनाडु); अँगोछा कला (असम); ज़री एवं ज़रदोज़ी (उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश व गुजरात)।

8. **अन्य हस्तशिल्प कलाएँ** 193-225
(Other Handicrat Arts)

बाँस, बेंत शिल्प एवं डलिया : बांस-बेंत शिल्प (उत्तर-पूर्वी राज्य); बाँस शिल्प (मध्य प्रदेश); डलिया एवं फर्नीचर (उत्तर प्रदेश); बाँसुरी (उत्तर प्रदेश); सिक्की-घास शिल्प (बिहार); विलो डलिया (जम्मू एवं कश्मीर); दरी एवं कालीन कला; भदोही कालीन (उत्तर प्रदेश); सजावटी मोम शिल्प; मोम शिल्प/कलात्मक मोमबत्ती (उत्तराखण्ड); गुड़िया एवं कठपुतली; गुड़िया शिल्प (सम्पूर्ण भारत); पुतलीकला/पुतलाकला/कठपुतली कला/शिल्प (सम्पूर्ण भारत); काँच एवं मनका शिल्प; **मनका हस्तशिल्प** (उत्तर प्रदेश); काँच के खिलौने (उत्तर प्रदेश); मनका शिल्प/पोत कार्य (गुजरात); **लाख शिल्प**; लाख का कार्य/शिल्प (राजस्थान, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश); **चर्म शिल्प**; उष्ट्र कला एवं उस्ता कला; चर्म पशु शिल्प एवं खिलौने (म.प्र.); चर्म शिल्प (गुजरात); चर्म कठपुतली (दक्षिण भारत); **कागज शिल्प :** ; कागज शिल्प (उत्तर प्रदेश); कागज खाँचा-कतरन (उत्तर प्रदेश); पतंग कला (उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं गुजरात); **कागज कुट्टी शिल्प :** कागज लुगदी पक्षी (मध्य प्रदेश); कागज लुगदी हस्तशिल्प (जम्मू एवं कश्मीर); कागज लुगदी मूर्तिशिल्प (मध्य प्रदेश); कागज लुगदी मूर्तियाँ (पांडिचेरी); कागज लुगदी खिलौना (उत्तर प्रदेश); कागज लुगदी कार्य (बिहार); कागज लुगदी मुखौटा/मुखावरण (सम्पूर्ण भारत); **हड्डी शिल्प :** हाथी दाँत, हड्डी एवं सींग हस्तशिल्प (सम्पूर्ण भारत); शंख-सीपी शिल्प (सम्पूर्ण भारत); **घास-पतवार, जूट, जटा, तिनका शिल्प एवं चटाई कला**; असमी चटाई (असम); झाड़ू शिल्प (मध्य प्रदेश); नारियल-जटा शिल्प एवं चटाई (उड़ीसा); पटसन/जूट हस्तशिल्प (पश्चिम बंगाल); कश्मीरी चटाई (जम्मू एवं कश्मीर); मणिपुरी चटाई (मणिपुर); चटाई (उत्तर प्रदेश); चटाई (दक्षिण भारत); चटाई (पश्चिम बंगाल); तिनका चित्र (केरल); त्रिपुरा चटाई (त्रिपुरा)।

संदर्भ ग्रंथ सूची 226-228
(Bibliography)

■■■